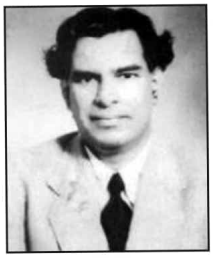

डॉ० भगवतशरण उपाध्याय

जीवन परिचय

जन्म – सन् 1910 ई०
जन्म स्थान – उजियारीपुर बलिया
शिक्षा – एम. ए.
मृत्यु – 12 अगस्त, 1982 ई०
भाषा – परिष्कृत खड़ीबोली।
शैली – विवेचनात्मक, वर्णनात्मक और भावात्मक
प्रमुख रचनाएँ – मंदिर और भवन, इतिहास साक्षी है, विश्व साहित्य की रूपरेखा, साहित्य और कला आदि।

जीवन परिचय :—

डॉ० भगवतशरण उपाध्याय जी का जन्म सन् 1910 ई० में बलिया जिले के उजियारीपुर गाँव में हुआ था। प्रारम्भिक शिक्षा उजियारीपुर में तथा एम० ए० काशी हिन्दू विश्व विद्यालय से किया। निरन्तर अध्ययन-अध्यापन एवं लेखन करते हुए अवकाश प्राप्त कर देहरादून चले गये। भारत के प्रतिनिधि के रूप में मॉरीशस

में कार्य करते थे। भगवतशरण जी ने कई देशों जैसे :- अमेरिका, चीन, यूरोप आदि की यात्राएँ भी की। हिन्दी साहित्य को सदैव उन्नति के शिखर पर पहुँचाते हुए और हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में अविस्मरणीय योग -दान देते हुए सन् 1982 ई० में पंचतत्व में लीन हो गये।

कृतियाँ :-

भगवतशरण उपाध्याय जी ने आलोचना यात्रा- साहित्य पुरातत्व संस्मरण एवं रेखाचित्र आदि की भरपूर मात्रा में साहित्य रचना की।

इनकी प्रमुख रचनाएँ निम्नलिखित हैं -

- विश्व साहित्य की रूपरेखा
- साहित्य और कला
- खून के छींटें
- इतिहास के पन्नों पर
- कलकत्ता से पेकिंग
- कुछ फीचर कुछ स्कांकी
- इतिहास साक्षी हैं।
- ठूँठा आम
- सागर की लहरों पर